THRU the BIBLE



प्रतिज्ञा की पूर्ति

उत्पत्ति 21

कैसे
धर्मग्रंथ संलग्नता
का उपयोग करे



शुरू करने से पहले प्रार्थना करें

प्रत्येक पाठ को शुरू करने से पहले, प्रभु से प्रार्थना करें कि वह इसका उपयोग आपको अनुग्रह में और हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के ज्ञान में बढ़ाने के लिए करें।



बाइबल का अंश पढ़ें

जब आप अंश पढ़ें तो परमेश्वर को अपनी आँखें खोलने और उसके वचन की आपकी समझ को गहरा करने के लिए आमंत्रित करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता मार्गदर्शिका का अध्ययन करें

आपके द्वारा पढ़े गए अंश के अर्थ, संदर्भ और व्यक्तिगत अनुप्रयोग पर चिंतन करने के लिए प्रदान की गई पवित्रशास्त्र संलग्नता अध्ययन का अध्ययन करें।



पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर चिंतन करें

प्रत्येक शिक्षण के बाद, व्यक्तिगत चिंतन और अनुप्रयोग के लिए सूचीबद्ध पवित्रशास्त्र संलग्नता सवालों पर विचार करें और आपके छोटे समूह चर्चाओं के लिए.



डॉ. जे. वर्नोन मैकगी की शिक्षा को सुनें

यदि आप इस अंश पर संपूर्ण ऑडियो शिक्षा सुनना चाहते हैं, तो ttb.bible पर जाएं या अपनी भाषा में THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करने के लिए अंतिम पृष्ठ पर दिए गए QR कोड को स्कैन करें।



हमारे सुझाए गए रोकने और शुरू करने के आइकन का इस्तेमाल करें। यह आपको सामग्री को सोच-समझकर और अपनी लय में आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

आपके विचार के लिए

इस धर्मग्रंथ अध्ययन का उपयोग कैसे करें पृष्ठ 2

इसहाक का जन्म
(उत्पत्ति 21:1-7) पृष्ठ 4

हागार और इश्माएल को निकाल दिया गया
(उत्पत्ति 21:8-33) पृष्ठ 10

प्रतिज्ञा की पूर्ति

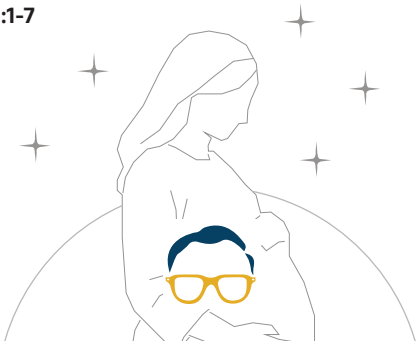
प्रिय परमेश्वर,

हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आप अपना हर एक वादा पूरा करते हैं। जब हम इस अध्याय का अध्ययन करते हैं, तो अपनी मर्जी के समय, मृत्यु में से जीवन लाने की अपनी सामर्थ्य, और हमें आत्मिक परिपक्वता तथा आज्ञाकारिता की ओर बुलाने में अपनी बुद्धि को देखने में हमारी सहायता करें। हमें आप पर पूरी तरह भरोसा करना, आत्मिक बालपन से आगे बढ़ना, और आपकी प्रतिज्ञाओं की स्वतंत्रता में चलना सिखाएं।

यीशु के नाम में, आमीन।

इसहाक का जन्म

उत्पत्ति 21:1-7



"रोमियों के चौथे अध्याय में पौलुस लिखता है कि अब्राहम ने 'अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ' (रोमियों 4:19)। परमेश्वर मृत्यु में से जीवन उत्पन्न करता है; यह एक चमत्कारिक जन्म है।"

- डॉ. जे. वर्नोन मैकगी



उत्पत्ति 21
की शुरुआत एक लंबे समय से प्रतीक्षित प्रतिज्ञा के पूरा होने के साथ होती है।

पिछले अध्याय में, **प्रतिज्ञा किए हुए पुत्र के जन्म** लेने से पहले अब्राहम के पाप से निपटना ज़रूरी था।

वह समय आ गया था। **यहोवा ने सारा की सुधि ली**, जैसा उसने कहा था, और उसके लिए ठीक वैसा ही किया जैसा **उसने वचन दिया था।** नियत समय पर **सारा ने गर्भधारण किया** और अपनी **वृद्धावस्था में अब्राहम के लिए एक पुत्र को जन्म दिया।** परमेश्वर ने अपना वचन पूरा किया।

इसहाक के जन्म और **मसीह के जन्म** के बीच एक **अद्भुत समानता है।** इसहाक का जन्म उसी ठहराए हुए समय पर हुआ था जिसकी **प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की थी।** ठीक उसी तरह, पवित्र शास्त्र हमें बताता है कि **जब समय पूरा हो गया, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा** (गलातियों 4:4)।

अब्राहम ने **निर्देश** के अनुसार अपने पुत्र का नाम इसहाक रखा, और **परमेश्वर की आज्ञा के पालन** में आठवें दिन उसका **खतना** किया।

अब्राहम **एक सौ वर्ष का था,** और सारा ने कहा, **"परमेश्वर ने मुझे प्रफुल्लित किया है; इसलिए सब सुननेवाले भी मेरे साथ प्रफुल्लित होंगे।"** (उत्पत्ति 21:6)। जो कभी **असम्भव प्रतीत** होता था, वह अब **वास्तविकता** बन गया था।



यह एक **चमत्कारिक जन्म** था, एक ऐसा जन्म जो **प्रकृति के विपरीत** था। अब्राहम के शरीर को मरे हुए के समान और सारा के गर्भ को **बाँझ** बताया गया था (रोमियों 4:19)। फिर भी **मृत्यु** में से, **परमेश्वर जीवन लेकर आया। मसीह के कुंवारी से जन्म लेने के** बहुत समय पहले ही, **परमेश्वर ने मानवजाति को** अलौकिक कार्य के लिए यह दिखाकर तैयार किया कि **जहाँ कुछ भी नहीं है, वहाँ भी वह जीवन उत्पन्न कर सकता है।**

अब्राहम और सारा दोनों को इस स्थान पर आना पड़ा जहाँ उन्होंने यह **पहचान** लिया कि वे स्वयं **कुछ नहीं** कर सकते थे। इसहाक का जन्म किसी **मानवीय उपलब्धि** का परिणाम नहीं, बल्कि **दैवीय हस्तक्षेप** था।

यह पूरी तरह से परमेश्वर का कार्य था।

इसहाक, मसीह की एक परछाई के रूप में

इसहाक और मसीह के बीच की समानताएँ असाधारण हैं:



दोनों जन्मों की प्रतिज्ञा की गई थी।



दोनों में प्रतिज्ञा और उसकी पूर्ति के बीच एक लंबा अंतराल था।



दोनों घोषणाएँ असम्भव प्रतीत होती थीं।



दोनों पुत्रों के नाम उनके जन्म से पहले ही रख दिए गए थे।



दोनों का जन्म परमेश्वर के ठहराए हुए समय पर हुआ था।



दोनों के जन्म चमत्कारिक थे।



दोनों पुत्र अपने पिताओं के लिए आनंद का कारण थे।



दोनों ही मृत्यु तक आज्ञाकारी रहे।



एक ऐसी कोख से इसहाक का जन्म होना जिसे 'मृत' मान लिया गया था, पुनरुत्थान को दर्शाता है - मृत्यु में से जीवन का निकलना।

परमेश्वर ने बिना किसी तैयारी के अचानक से कुंवारी से जन्म की घटना को प्रस्तुत नहीं किया। इसहाक और अन्य चमत्कारिक जन्मों के माध्यम से, वह मानव जाति को यह समझने के लिए तैयार कर रहे थे कि वह कैसे कार्य करते हैं।

इसहाक
यीशु की एक परछाई के रूप में





इसके बारे में सोचें

सवाल 1

ऐसा क्या है जो इसहाक के जन्म को मानवीय रूप से संभव बनाने के बजाय स्पष्ट रूप से अलौकिक बनाता है?

सवाल 2

उत्पत्ति 21:1 में जो यह दोहराया गया है कि 'जैसा उसने कहा था... जैसा उसने बोला था', वह परमेश्वर के चरित्र के बारे में क्या प्रकट करता है?

सवाल 3

ऐसी कौन-सी परिस्थिति है जो मुझे "मृत" प्रतीत होती है, जिसे मुझे अपने प्रयासों के बजाय परमेश्वर की सामर्थ्य को सौंप देना चाहिए ?

जो लागू करना है उसका चित्र बनाये

हागार और इश्माएल को निकाल दिया गया

उत्पत्ति 21:8-33

> वह समय आ जाता है जब आपको यह निर्णय लेना ही पड़ता है कि आप किस स्वभाव के अनुसार जीने जा रहे हैं। प्रभु के प्रति समर्पित होने के इस मामले में आपको एक दृढ़ निश्चय करना होगा। आपको या तो पवित्र आत्मा को अपने जीवन में कार्य करने की अनुमति देनी होगी, या फिर आपको अपना पूरा जीवन शरीर के नियंत्रण में बिताना होगा। परमेश्वर की संतान के लिए कोई तीसरा विकल्प नहीं है।



घर का आनन्द शीघ्र ही **संघर्ष** में बदल गया जब सारा ने इश्माएल को ठट्ठा करते हुए देखा। इसहाक के आगमन ने इश्माएल के वास्तविक चरित्र को प्रकट कर दिया।

यह घटना विश्वासी के भीतर **पुरानी प्रकृति और नई प्रकृति** के बीच होने वाले संघर्ष को दर्शाती है। परिवर्तन से पहले मनुष्य **पुराना स्वभाव के नियंत्रण में** जीवन बिताता है। परन्तु जब वह नया जन्म पाता है, तो उसे **एक नया स्वभाव प्राप्त होती है और संघर्ष आरम्भ हो जाता है। शरीर और आत्मा आपस में सहयोग नहीं करते।**

विश्वासी के लिए कोई **तीसरा विकल्प नहीं** है। **उसे यह चुनना होता है कि उस पर किस स्वभाव का शासन होगा।** दोनों के अनुसार एक साथ जीवन जीने का प्रयास अस्थिरता उत्पन्न करता है। **विपरीत दिशाओं में खींचने वाले दो घोड़ों की तरह, शरीर और आत्मा साथ-साथ नहीं चल सकते। विश्वासी को परमेश्वर के अधीन होना चाहिए और पवित्र आत्मा को वह कार्य करने देना चाहिए जिसे व्यवस्था** कभी पूरा नहीं कर सकी।



जब मेरा शरीर और पवित्र आत्मा विपरीत दिशाओं में खींचते हैं, तो परमेश्वर के प्रति पूरी तरह समर्पित होने के लिए मैं कौन से व्यावहारिक कदम उठा सकता हूँ?

सारा ने मांग की कि **हागार** और **उसके बेटे** को बाहर निकाल दिया जाए, और यह घोषणा की कि इश्माएल **इसहाक के साथ उत्तराधिकार में भाग** नहीं पाएगा।हालाँकि यह बात अब्राहम के लिए बहुत **दुखदायी** थी, फिर भी परमेश्वर ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि, **"इसहाक ही से तेरा वंश कहलाएगा"** (पद 12)। **मानवीय युक्ति के द्वारा जन्मा पुत्र, दैवीय प्रतिज्ञा के द्वारा** जन्मे **पुत्र का स्थान नहीं ले सकता था।**

अब्राहम ने आज्ञा मानी। वह सुबह **जल्दी उठा** और उसने **हागार और इश्माएल को रोटी और पानी देकर** विदा कर दिया। जब उनका पानी **जंगल में खत्म हो गया,** तो **हाजरा रोने लगी,** क्योंकि वह अपने बेटे को मरते हुए नहीं देखना चाहती थी। लेकिन **परमेश्वर ने उस लड़के की आवाज़ सुनी। परमेश्वर के दूत ने स्वर्ग से पुकारकर** उसे ढाढस बंधाया। परमेश्वर ने उसकी आँखें खोलीं, **और उसने पानी का एक कुआँ देखा।** इश्माएल **जीवित रहा, बड़ा हुआ और जंगल में रहने लगा।**

यद्यपि इसके बाद पवित्रशास्त्र उसके वंश का विस्तार से अनुसरण नहीं करता, फिर भी उसके वंशज बने रहते हैं। **इश्माएल का चरित्र उसके वंशजों के इतिहास का पूर्वसंकेत देता है-**ऐसे लोग जो अक्सर संघर्ष में रहे। अलग किए जाने पर भी परमेश्वर उस पर दया दिखाता है। वह घोषणा करता है कि वह इश्माएल से एक महान राष्ट्र उत्पन्न करेगा।



बेर्शेबा में अब्राहम और अबीमेलेक

यह अध्याय **अब्राहम के जीवन** के एक और घटना के साथ समाप्त होता है। **जब अबीमलेक ने देखा** कि अब्राहम जो कुछ भी करता है उसमें **परमेश्वर** उसके साथ है, तो उसने अब्राहम के साथ एक **संधि करने की इच्छा जताई।** वह यह **आश्वासन चाहता था** कि अब्राहम उसके और उसके **वंशजों** के साथ **विश्वासयोग्यता से व्यवहार करेगा।** बेर्शेबा में एक वाचा बांधी गई। **अब्राहम ने वहाँ एक झाऊ का वृक्ष लगाया** और **यहोवा, और यहोवा, अर्थात् सनातन परमेश्वर, के नाम से पुकारा।**

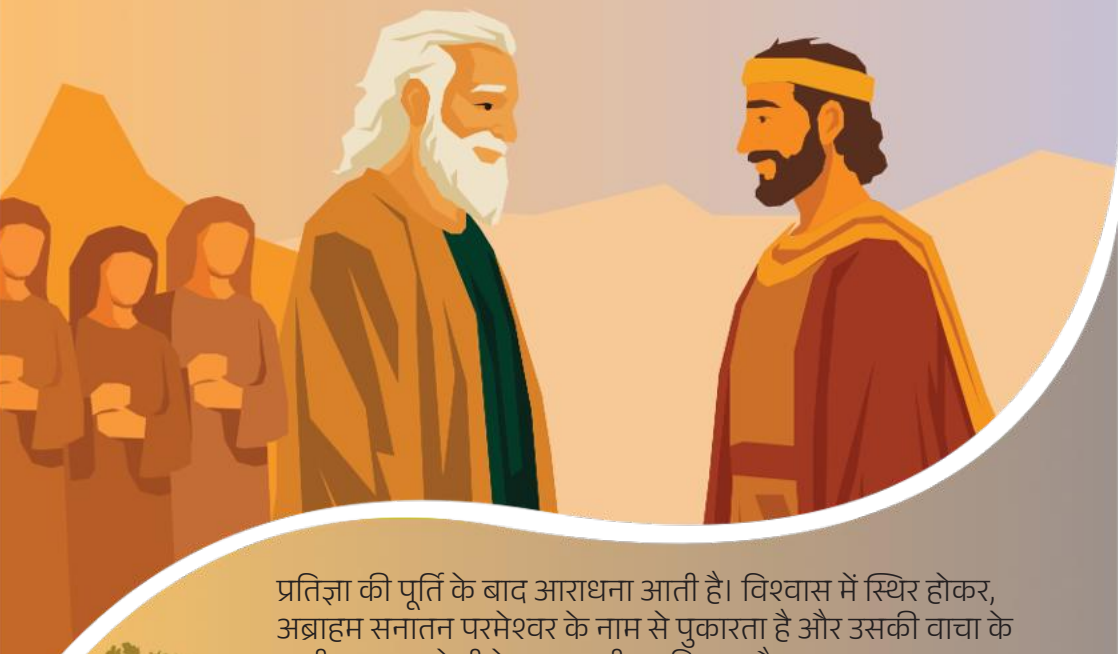
यद्यपि **परमेश्वर ने उससे इस भूमि का वादा किया था,** फिर भी अब्राहम इसमें एक **परदेशी और यात्री बनकर रहा। वह पलिश्तियों के देश में बहुत दिनों तक** प्रवासी होकर रहा। प्रतिज्ञा निश्चित थी, **वाचा सुरक्षित** थी। फिर भी अब्राहम **एक मुसाफिर की तरह जिया, और उस परमेश्वर पर भरोसा रखता रहा** जो **नियत समय पर अपने वचन को पूरा करता है।**

क्या मेरे जीवन और मेरे नेतृत्व के ढंग को देखकर दूसरे लोग पहचान पाएंगे कि परमेश्वर मेरे साथ है?

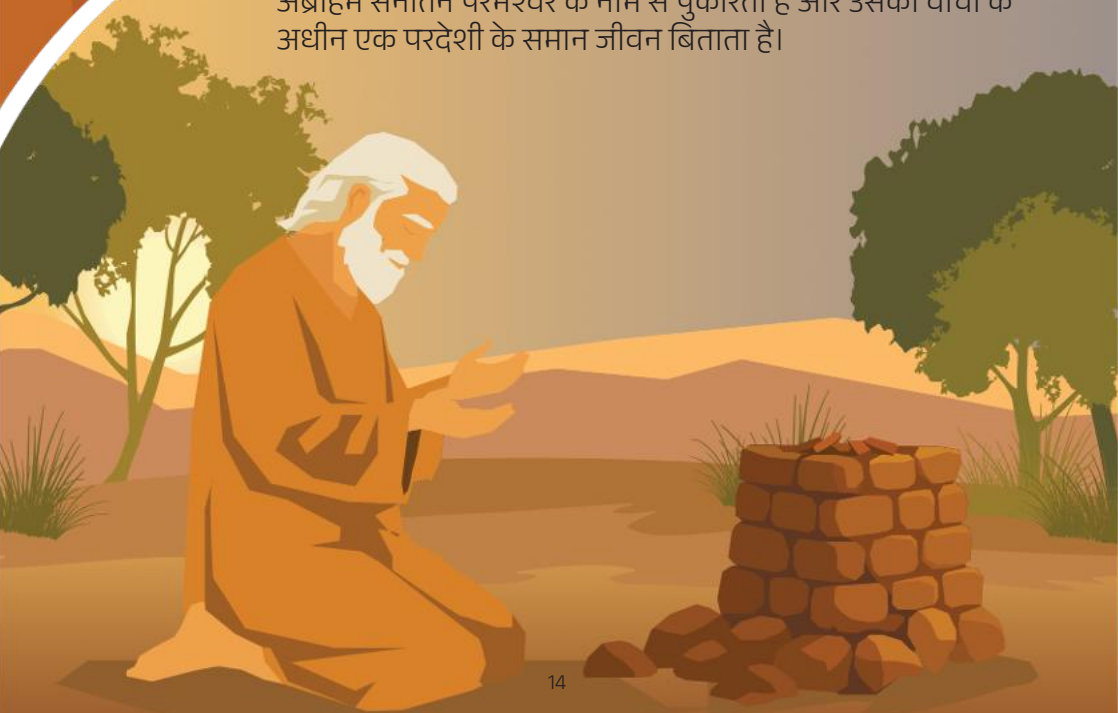


किन बातों में मैं ऐसा जीवन जी रहा हूँ मानो यह संसार स्थायी हो, बजाय इसके कि मैं परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर भरोसा रखने वाले एक यात्री के समान जीवन बिताऊँ?

जब किसी जीवन पर परमेश्वर का हाथ होता है, तब राष्ट्र भी उस पर ध्यान देते हैं। शांति से जिया गया एक गवाही भरा जीवन, शब्दों से कहीं अधिक ज़ोर से बोलता है।



प्रतिज्ञा की पूर्ति के बाद आराधना आती है। विश्वास में स्थिर होकर, अब्राहम सनातन परमेश्वर के नाम से पुकारता है और उसकी वाचा के अधीन एक परदेशी के समान जीवन बिताता है।



इसके बारे में सोचें और लागू करें

सवाल 1

इस अध्याय में, परमेश्वर की प्रतिज्ञा से हटकर कार्य करने का अब्राहम और सारा का पहले का निर्णय परिवार के भीतर गहरे दुःख, विभाजन और अलगाव का कारण बना।

हागार और इश्माएल से जुड़ी घटनाएँ यह कैसे प्रकट करती हैं कि पाप, क्षमा किए जाने के बाद भी, अपने पीछे ऐसे स्थायी परिणाम छोड़ सकता है जो न केवल हमें बल्कि हमारे आस-पास के लोगों को भी प्रभावित करते हैं?

सवाल 2

मैक्गी इश्माएल और इसहाक की तुलना एक विश्वासी के भीतर पुराना स्वभाव और नया स्वभाव के बीच होने वाले संघर्ष से करते हैं।

यह चित्रण हमें अपने जीवन को संचालित करने के लिए सही स्वभाव का चुनाव करने की हमारी ज़िम्मेदारी के बारे में क्या सिखाता है, और तटस्थता या समझौता करना एक विकल्प क्यों नहीं है?

इससे आपको क्या सीख मिली?

अपने जीवन में परमेश्वर की समझ को लागू करना।

मैक्गी का सुविचार



"एक विश्वासी होने के नाते आप अपनी दोनों तरह के स्वभावों के साथ तालमेल बिठाकर नहीं रह सकते। आपको एक निर्णय लेना ही होगा।याकूब कहते है "वह व्यक्ति दुचित्ता है, और अपनी सारी बातों में चंचल है"(याकूब 1:8)।

यह आज कई मसीहियों के बीच अस्थिरता और असुरक्षा को स्पष्ट करता है। वे संसार के साथ भी चलना चाहते हैं, और प्रभु के साथ भी चलना चाहते हैं। वे आत्मिक रूप से खंडित-मानसिकता शिजोफ्रेनिक के शिकार हैं, जो दोनों करने की कोशिश कर रहे हैं, और आप ऐसा नहीं कर सकते।"

THRU the BIBLE

हमारे संसाधनों तक पहुँचें

THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करें और ऑडियो बाइबल शिक्षाएँ सुनें 200 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है।

ttb.bible पर जाएँ

स्क्रिप्चर एंगेजमेंट पुस्तक में अधिक खंडों वाली हमारी इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप पुस्तक खोजें हमारी वेबसाइट पर

ttbsa.org पर जाएँ